

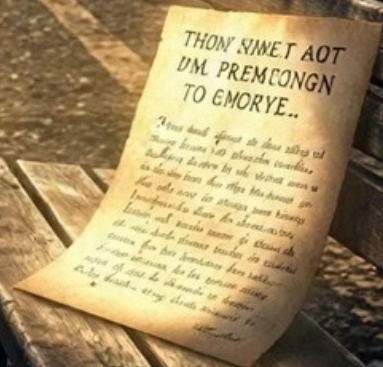
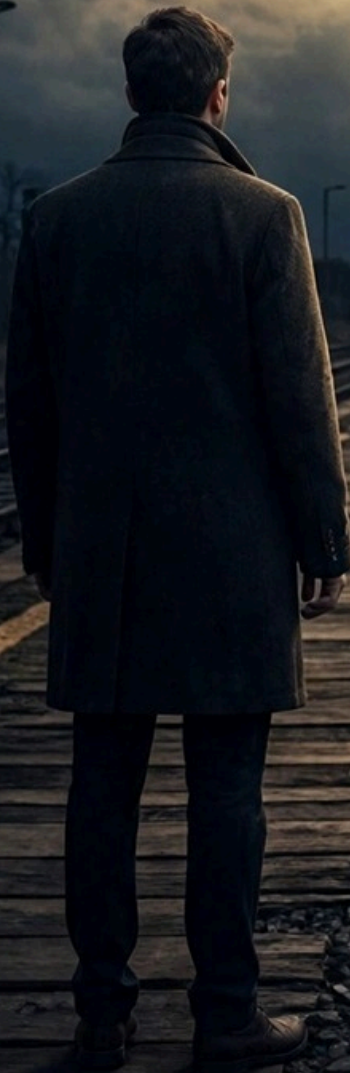
ETERNITY®

#1

WAITING THAT NEVER EXPIRES

The First Commandment of BLADEFREGA

Ferdinando Frega — Nando the Scribe



Ferdinando Frega — Nando the Scribe

जिलेट से पहले: वह इंतज़ार जिसकी मियाद कभी खत्म नहीं होती

ब्लेडप्रेगा की पहली आज्ञा

तू रचने के लिए इजाज़त नहीं माँगेगा।

ज़्यादातर लोग अनंतता को एक दूर की मंज़िल समझते हैं, एक इनाम जो संतों, दार्शनिकों, दूरदर्शियों और उन अफ़सरों के लिए रखा गया है जो नाशते से पहले ही “विरासत” शब्द बोल देते हैं। कभी मैं भी उसे ऐसा ही समझता था। फिर एक मामूली दोपहर ने इस सिद्धांत में खलल डाल दिया। एक छोटी-सी चीज़ थी, एक जानी-पहचानी दिनचर्या, और बेहिसाब इंतज़ार। चीज़ अहम नहीं थी। इंतज़ार अहम था।

इंसान अपनी ज़िंदगी के हैरतअंगेज़ हिस्से इंतज़ार में गुज़ार देता है: मंजूरी का, आत्मविश्वास का, पहचान का, मौक़े का, आदर्श हालात का, और उस हरी झंडी का जिसे कई विभागों ने रोक रखा है। कुछ लोग इतना लंबा इंतज़ार करते हैं कि इंतज़ार ही उनका पेशा बन जाता है। त्रासदी यह नहीं कि वे इंतज़ार करते हैं। त्रासदी यह है कि वे इसे तैयारी कहते हैं। मैंने ऐसे संगठनों के भीतर काम किया है जो इतने बड़े थे कि खुद को अमर मानते थे। वे अनिश्चितता को मीटिंगों में बदलते थे, मीटिंगों को रिपोर्टों में, रिपोर्टों को योजनाओं में, और योजनाओं को और मीटिंगों में। हर प्रेज़ेंटेशन में स्थायित्व का वादा होता था। फिर लोगो बदल गया। समय एक सख़्त संपादक है। मैंने योजनाओं की पूजा छोड़ दी और मेरी दिलचस्पी हरकत में जागी। हरकत निशान छोड़ती है। इंतज़ार इरादे छोड़ता है। सबसे यादगार रचने वाले आत्मविश्वास के आने से पहले ही शुरू कर देते हैं। उनकी बढ़त है गति।

निष्कर्ष

अनंतता तब शुरू नहीं होती जब समय अंतहीन हो जाता है। वह तब शुरू होती है जब कोई फैसला, कोई पत्रा या कोई रचना अपनी मियाद खत्म होने से इनकार कर देती है।

फर्दिनांदो